हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 31 मार्च 2025

11 संस्कृति संरक्षण व संवर्धन सबकी सहभागिता...

12 आईआईटी के लिए गांव पाली व खुडाना तीन सौ एकड़...

MR SCHOOL
Affiliated to CBSE
MITTERPURA | ATELI
A Name of Dedication, Hardwork and Sincerity
।। तमसो मा ज्योतिर्गमय ।।
कोटा की FACULTY अब MR SCHOOL ATELI में
JEE / NEET COACHING with KOTA Faculty Experts
ADMISSION OPEN
Session 2025-26
अब MR में स्कूल व कोचिंग साथ-साथ
SAMBHAV CLASSES
VI to X Foundation Classes
XI to XII JEE / NEET
Special Coaching for CLAT / NDA CA-CPT OLYMPIAD
MITTERPURA, NARNAUL (HR.)
9466945658, 9416903367
mrps530543@gmail.com www.mrpublicschool.com
NARNAUL ROAD, ATELI MANDI
8278085868, 9416903367
mrpsateli@gmail.com www.mrpsateli.in

प्रदेश में पहली बार कक्षा में शत-प्रतिशत विद्यार्थियों का दाखिला करवाने वाले स्कूल मुखियाओं को किया जाएगा स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक से सम्मानित

नितेश कुमार ⏭ नारनौल

नए शैक्षणिक सत्र में निजी स्कूलों को विद्यार्थियों के दाखिले की रेस में पछाड़ने के लिए इस बार शिक्षा निदेशालय ने कमर कसी है। पहली बार बीती से अगली कक्षा में शत प्रतिशत विद्यार्थियों का दाखिला करवाने पर स्कूल मुखिया को स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक से सम्मानित किया जाएगा। सीनियर सेकंडरी निदेशक की ओर से जारी किए गए पत्र के अनुसार इस बार घर-घर जाकर सर्वे पर जोर रहेगा। इसके लिए डीईओ व डीईईओ जिम्मेदार दी गई है। बीईओ, कलेस्टर, हेड बीआरपी, बीआरसी की मदद से स्कूल प्रबंधन कमेटी, सरपंचों के सहयोग से अधिक से अधिक सरकारी स्कूलों में दाखिला करवाने के लिए तत्पर रहेंगे। यह मुहिम 30 अप्रैल तक चलेगी। हर सात दिन बाद मुख्यालय को रिपोर्ट भेजना अनिवार्य होगा।

शिक्षा निदेशालय ने जारी पत्र में कहा है कि सर्वाधिक नौवीं कक्षा में ड्रॉप आउट होते हैं। खासकर लड़कियां बीच-अधर में पढ़ाई छोड़तीं हैं, जिस पर शिक्षक, स्कूल मुखिया, क्लस्टर हेड विशेष रूप से नजर रखेंगे। साथ ही अभिभावकों को स्कूल भेजने के लिए जागरूक करेंगे। पत्र में स्पष्ट है कि विज्ञान संकाय में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को खासकर, जो निजी स्कूल के विद्यार्थी हैं, उन्हें सरकारी स्कूलों में ले जाकर विजिट करवाए। उनके अभिभावकों को भी स्कूल लाकर दिखाएं कि विज्ञान विषय के प्रति जागरूकता के

सभी स्कूलों के शिक्षक कर रहे डोर-टू-डोर सर्वे

विभाग के निर्देशानुसार सभी शिक्षक शहर व गांवों में घर पर जाकर अभिभावकों से बातचीत कर रहे हैं तथा पात्र बच्चों का दाखिला कराने के लिए बात की जा रही है। अब एक अप्रैल को उन्हें स्कूल बुलाया जाएगा व सम्मान कर दाखिला के लिए स्वागत होगा।

स्कूलों में मिलेंगी ये सुविधाएं

सरकार की ओर से राजकीय स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इसमें सभी स्कूलों कक्षाओं में डिजिटल बोर्ड के माध्यम से पढ़ाई करवाई जा रही है। इसके अलावा आठवीं कक्षा तक निःशुल्क पुस्तकें, ड्रेस उपलब्धता, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाई जाती है व छात्रवृत्ति भी प्रदान की जा रही है। शिक्षा विभाग की ओर से शिक्षकों को जीरो ड्राप आउट का लक्ष्य दिया है। ऐसे बच्चे जो पिछले तीन वर्षों में ड्रापआउट हुए हैं, उन्हें विद्यालय में लाया जाएगा। प्रत्येक गांव, वार्ड स्तर पर स्कूलवार डाटा लेकर सभी ड्राप आउट विद्यार्थियों की पहचान की जाएगी। जिसके लिए विभाग की ओर से प्रवेश उत्सव मनाया जा रहा है। जिसके तहत अध्यापक गांव गांव व घर घर जाकर बच्चों व उनके अभिभावकों को सरकारी स्कूलों में दाखिला लेने के लिए जागरूक कर रहे है। इस दौरान अभिभावकों को सरकारी स्कूलों में निःशुल्क मिलने वाली सुविधाओं के बारे में भी अवगत करवाया जा रहा है।

-संतोष कुमार डीईओ

लिए शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों में क्या-क्या कदम उठाए हैं और क्या-क्या सुविधाएं मिल सकती है।

खबर संक्षेप

सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा पांच अप्रैल को

नारनौल। सैनिक स्कूल में कक्षा छह व नौवीं में प्रवेश पाने के इच्छुक छात्रों के लिए परीक्षा पांच अप्रैल को निर्धारित है। यह परीक्षा पेन व पेपर आधारित मोड़ में आयोजित की जाएगी। कक्षा छह के लिए परीक्षा दोपहर दो बजे से शाम 4:30 बजे तक, जबकि नौवीं क्लास के लिए यह परीक्षा दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक होगी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने ऑल इंडिया सैनिक स्कूल एंट्रेंस परीक्षा के एडमिट कार्ड जारी कर दिए है। एडमिट कार्ड आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराए गए है। इस परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले छात्र छात्राएं आधिकारिक वेबसाइट पर लॉगइन करके प्रवेश पत्र को डाउनलोड कर सकते है। एडमिट कार्ड में उम्मीदवार का नाम, रोल नंबर, आवेदन संख्या, जन्म तिथि, परीक्षा तिथि, समय, केंद्र का विवरण, उम्मीदवार की तस्वीर, हस्ताक्षर, लिंग और परीक्षा के दिन के महत्वपूर्ण निर्देश सहित अन्य डिटेल्स शामिल है।

बाबा रामसुख दास महाराज का मेला 6 को

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव कांटी खेड़ी में बाबा रामसुख दास महाराज मेला 6 अप्रैल को रामनवमी पर आयोजित किया जाएगा। जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने बताया कि बाबा रामसुख दास के मेला में विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं होंगी। इस मेले में बच्चों की 100 मीटर दौड़ से लेकर 1500 मीटर तक की दौड़ करवाई जाएंगी। रस्साकसी में प्रथम इनाम 5100 रुपये एवं द्वितीय इनाम 3100 रुपये दिया जाएगा। कुश्ती 51 रुपये से लेकर 51 हजार तक करवाई जाएगी। मेले में बुजुर्गों की दौड़ विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। मेले में भंडारा बिमला देवी पत्नी स्वर्गीय देशराज सिंह चौहान द्वारा लगाया जाएगा।

जान से मारने की धमकी देने पर दो नामजद

मंडी अटेली। लावणी कर अपनी पत्नी के साथ घर आ रहे युवक के पीछे मोटरसाइकिल लगाकर मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने पर पुलिस ने दो नामजद पर मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार कांटी निवासी रविन्द्र कुमार ने पुलिस में दर्ज शिकायत में बताया कि 28 मार्च को वह और उसकी पत्नी ऊषा लावणी करके खेत के मलिक राजस्थान के बीरनवास निवासी जयवीर की मोटरसाइकिल से वापिस घर आ रहे थे। दोपहर करीब एक बजकर 45 मिनट पर हनुमान मन्दिर के सामने कांटी बहरोड़ रोड पर उनके गांव के प्रेम व लीला दोनों ने मोटर साईकिल पर उनका पीछा किया और उनको हनुमान मन्दिर के पास रोक लिया।

अटल भूजल योजना के तहत 25 करोड़ की लागत से लगाए वाटर रिचार्ज बोरवेल

रिचार्ज बोरवेल घटते भूजल के लिए बनेंगे संजीवनी महेंद्रगढ़ जिले में लगाए जाएंगे 500 रिचार्ज बोरवेल

- जिले में अभी तक विभिन्न गांवों में लगाए जा चुके हैं 60 रिचार्ज बोरवेल, नहर के साथ लगते गांवों में बनाए जा रहे हैं रिचार्ज बोरवेल
- गांव मांडोला, नांगल माला, बुडीन व राजावास में बनाए वाटर रिचार्ज में बरसाती सीजन में पहली बार छोड़ा गया है नहरी पानी
- एक सीजन में छोड़ा गाया है 7 एलपीएस पानी, ग्रामीणों की माने तो एक सीजन में ही आया पानी में बदलाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

मिकाडा विभाग गिरते भूजल-स्तर को सुधारने के लिए लगातार काम कर रहा है। विभाग की ओर से अटल भूजल योजना के तहत 25 करोड़ रुपये की लागत से जिला में 500 स्थानों पर वाटर रिचार्ज बोरवेल लगाने की योजना तैयार की गई है। विभाग की ओर से अभी 60 जगहों में रिचार्ज बोरवेल बनाए रहे हैं तथा अन्य जगहों की रिचार्ज बोरवेल लगाने की योजना तैयार की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि अटल भूजल योजना केंद्र सरकार द्वारा संचालित एक महत्वाकांक्षी योजना है। इसका मुख्य उद्देश्य गिरते भूजल की समस्या को दूर कर भू-जल स्तर को बढ़ाना है। इस योजना में जिला महेंद्रगढ़ को शामिल किया गया है। जिले के घटते भू-जल स्तर को रोकने के लिए मिकाडा द्वारा ग्राम पंचायतों को जागरूक किया जा रहा है। विभाग के अधिकारी लगातार गांवों में पहुंचकर किसानों को सूक्ष्म सिचांई के प्रति जागरूक कर रहे हैं। वहीं लगातार जिला के गिरते भूजल स्तर में सुधार लाने के लिए नई योजना तैयार कर रहे हैं। मिकाडा की अटल भूजल योजना में शामिल पांच खंडों में 500 स्थानों पर वाटर रिचार्ज बनाने के प्रस्ताव भेजे गए थे। सरकार की ओर से मंजूरी मिल चुकी है, जिसमें करीब 25 करोड़ रुपये की लागत आएगी। विभाग की ओर से अटल भूजल योजना में शामिल नहर के साथ लगते गांवों में बोरवेल लगाए जा रहे हैं। गत वर्ष विभाग की ओर से चार में वाटर रिचार्ज बोरवेल लगाए गए थे, जिनमें गांव मांडोला, नांगल माला, बुडीन व राजावास शामिल है। इन गांव में गत वर्ष बोरवेल लगाने का कार्य शुरू किया गया था तथा इस वर्ष बरसाती सीजन में 7 एलपीएस (करीब 4.5 करोड लीटर) पानी डाला गया है। ग्रामीणों का कहना है कि बोरवेल में पानी छोड़े जाने के बाद पानी के स्वाद में काफी बदलाव आया है।

महेंद्रगढ़। राजावास में लगाए बोरवेल में छोड़ा जा रहा नहरी पानी। फोटो : हरिभूमि

पांच खंड हैं डार्क में शामिल

वर्ष 2020 में जिले को लगातार घट रहे भूजल स्तर की स्थिति को ध्यान में रखते हुए डार्क जोन में शामिल किया गया था। वहीं वर्ष 2019 में सरकार द्वारा वाटर सैल का गठन किया गया था, जिसमें किसानों को ट्यूबवेल के लिए बिजली कनेक्शन भी शर्तों के आधार पर दिए गए थे। वहीं अटल भूजल योजना के तहत जिले के नारनौल, अटेली, नांगल चौधरी, महेंद्रगढ़ व कनीना खंडों को डार्क जोन में शामिल किया गया है।

लगातार गिरते भूजल स्तर का यह रहा मुख्य कारण

जिले में लगातार भूजल स्तर की स्थिति बिगड़ती जा रही है। सतनाली क्षेत्र में तो हालात ऐसे हैं कि एक-एक किसान खेती के लिए आठ से दस बार लाखों रुपये खर्च कर बोरवेल करा रहे हैं, लेकिन खेती का पानी तो दूर पेयजल भी नसीब नहीं हो पा रहा है। इस समय सतनाली क्षेत्र में 1200 से 1500 फुट तक गहराई में भी पानी नहीं है। ऐसे में किसान खेती करना तो दूर आगामी 20 सालों में पेयजल भी नसीब नहीं हो पाएगा। वहीं जिले के गांव सतनाली में भूजल स्तर 300 फुट, निहालावास में 367 फुट, कुलताजपुर में 318 फुट व खोड़मा में 315 फुट गहराई में भूजल स्तर पहुंच चुका है।

कहने को भूजल स्तर कम लेकिन 1500 फुट तक गहराई में भी नहीं

कहने को तो सतनाली क्षेत्र का भूजल स्तर 300 फुट गहराई में है, लेकिन यहां कृषि योग्य पानी बोरवेल के माध्यम से भूमि से बाहर खींचने के लिए 1500 फुट तक गहराई में भी पर्याप्त पानी नहीं है, जिससे बोरवेल की मोटर चल सके। यही स्थिति पूरे जिले की है भूजल स्तर एवं कृषि तथा पीने योग्य पानी तो जिलेभर में 400 फुट से अधिक की गहराई में ही नसीब हो पाता है।

60 स्थानों पर लगाए जा चुके हैं रिचार्ज बोरवेल

विभाग के एसडीओ बिजेंद्र यादव ने बताया कि जिला के विभिन्न स्थानों में 500 रिचार्ज बोरवेल लगाए जाएंगे। 60 रिचार्ज बोरवेल लगाए जा चुके हैं। इन रिचार्ज बोरवेल के लिए जगह चिह्नित की जा रही है। रिचार्ज बोरवेल से जिला के घटते भूजल स्तर में सुधार आएगा।

नारनौल। शोभापुर में प्रदर्शन करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

शोभापुर में ग्रामीणों ने किया 33 केवी पावर हाउस पर प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

गांव शोभापुर के ग्रामीणों ने गांव के 33 केवी पावर हाउस पर बैठक कर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। ग्रामीणों कहा कि उन्होंने पावर हाउस के लिए सरकार को जमीन दी थी, लेकिन आज तक उसकी रजिस्ट्री नहीं हुई है। जिसके कारण ग्राम पंचायत को 20 साल से मुआवजा नहीं मिला है। वहीं ग्रामीणों ने पावर हाउस पर दो लाइनमेनों की नियुक्ति की मांग भी की।

इस अवसर पर ग्रामीण बिजेंद्र पूर्व सरपंच, सतबीर पंच, हरिसिंह, महेंद्र सिंह, राजेश, कैप्टन वीरेंद्र सिंह, गजराज, इंद्र सिंह, राव गजराज, ब्रह्मप्रकाश, सुरेश शर्मा, मोनू, वासुदेव, पंकज, अमीलाल, सूबेदार सूबेसिंह, बाबूलाल ने बताया कि वर्ष 2005 में दो एकड़ जमीन बिजली निगम को 33 केवी पावर हाउस के लिए अपनी उपजाऊ व कीमती जमीन दी थी। जिसकी निगम की उदासीनता के कारण आज तक रजिस्ट्री नहीं हो पाई है। आज भी राजस्व विभाग में यह जमीन पंचायत के नाम अंकित है। ग्रामीणों ने सरकार को आगाह करते हुए चेतावनी भी दी है कि यदि उन्हें उक्त जमीन का उचित मुआवजा नहीं दिया तो इसके गंभीर परिणाम होंगे, क्योंकि निगम के कर्मचारी जान बूझकर तंग करने के लिए आस पास के गांवों में छापामारी के नाम पर परेशान करते हैं, जबकि सब स्टेशन पर सुचारू काम करने के लिए निगम के पास कर्मचारी नहीं है। ग्रामीणों ने कहा कि उक्त जमीन का उचित मुआवजा, छापेमारी के नाम पर नाहक परेशान करना बंद किया जाना चाहिए। निगम शोभापुर में दो लाइनमैनों की नियुक्ति नहीं करती है तो यहां पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा और इस जमीन पर निगम के किसी कर्मचारियों को नहीं घुसने दिया जाएगा। इसे वापस खेती की जमीन लायक बनाया जाएगा, ताकि पंचायत की आय हो सके। यदि ऐसा नहीं हुआ तो सरकार इसकी जिम्मेवार होगी, क्योंकि ग्रामीणों के अनेक बार अनुरोध पश्चात भी जमीन की रजिस्ट्री नहीं करवाई है।

टोल टैक्स बढ़ोतरी वापस लेने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से एक अप्रैल से बढ़ाए जाने वाले टोल टैक्स को तुरंत प्रभाव से वापस लिया जाए। यह बात एसयूसीआई कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव कॉमरेड राजेंद्र सिंह एडवोकेट ने कहीं। उन्होंने कहा कि यह बढ़ोतरी अन्यायपूर्ण एवं जन विरोधी है। पिछले पांच सालों में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने टोल टैक्स के नाम से 13988 करोड़ रुपये वसूल किए हैं। टोल टैक्स की बढ़ोतरी का आर्थिक बोझ वाहन मालिकों पर पड़ता है। इसकी पूर्ति करने के लिए वाहन मालिक यानी ट्रांसपोर्टर यात्री किराया व माल भाड़ा बढ़ा देते हैं। इसका बोझ आम आदमी पर पड़ता है। जिन कंपनियों का सामान यहां से वहां ढोया जाता है, वे कंपनियां हर सामान के रेट बढ़ा देती हैं। इस तरह बेरोकटोक अन्त हीन टोल टैक्स बढ़ोतरी का प्रतिकूल असर महंगाई के रूप में आम जन को भी झेलना पड़ता है। उन्होंने कहा कि जब भी टोल टैक्स बढ़ाया गया है, तभी साथ साथ महंगाई भी बढ़ी है। बस किराया भी बढ़ा है। इसलिए यह टोल टैक्स बढ़ोतरी पूरी तरह से जनविरोधी है। दूसरा एक अन्य महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि जब वाहन खरीदा जाता है, तो एकमुश्त भारी भरकम रोड टैक्स चुकाया जाता है।

साइबर ठगी का एक और आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

साइबर थाना टीम ने साइबर फ्रॉड के मामले में संलिप्त एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित टेलीग्राम पर ऑनलाइन कार्य का झांसा देकर साइबर फ्रॉड करने मामले में संलिप्त था। पुलिस ने पता लगाया कि आरोपित साइबर ठगों के लिए खाते उपलब्ध कराता था। आरोपित ने फ्रॉड की वारदातों के लिए स्वयं के भी 12 खाते खुलवाए हुए थे। आरोपित की पहचान रोहन वासी बागी भट्टा टीपी नगर कानपुर यूपी के रूप में हुई। आरोपित से एक मोबाइल बरामद कर जब्त किया है।

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित। फोटो : हरिभूमि

अशोक कुमार के खिलाफ एसपी के दिशा-निर्देश पर केस दर्ज

कनीना के पैक्स प्रबंधक पर 17 लाख रुपये गबन का आरोप

- 2018 में कार्यरत प्रबंधक अशोक कुमार के खिलाफ सहायक रजिस्ट्रार प्रवीन कुमार ने एसपी को दी शिकायत पर हुई कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

कनीना में वर्ष 2018 में पैक्स प्राइमरी एग्रीकल्चर को ऑपरेटिव सोसायटी के प्रबंधक रहे अशोक कुमार के खिलाफ सदर थाना पुलिस ने एसपी पूजा वशिष्ठ के दिशानिर्देश पर मोटी रकम का गबन करने के आरोप में केस दर्ज किया है। अशोक कुमार बीते सात वर्ष पूर्व कनीना से पदोन्नति मिलने के बाद बदली होकर दी महेंद्रगढ़ केंद्रीय सहकारी बैंक में सीनियर एकाउंटेंट के पद पर चले गए थे।

उनकी कार्यप्रणाली को लेकर पहले भी शिकायत आदि दर्ज कराई थी। गबन के आरोपों को लेकर महेंद्रगढ़ स्थित सहकारी समितियां के सहायक रजिस्ट्रार की ओर से बीती 28 मई, 22 अगस्त व 23 अक्टूबर 2024 को उप रजिस्ट्रार भिवानी व रजिस्ट्रार पंचकूला को पत्र लिख गया था। जिसमें अशोक कुमार के कनीना पैक्स प्रबंधक के पद पर रहते हुए 1677837 रुपये का गबन किया था। जिसकी शिकायत भेजकर केस दर्ज करने की मांग की गई थी। हरियाणा सहकारी समितियां अधिनियम 1984 की धारा 101.1 के अंतर्गत सरचार्ज की कार्रवाई से पूर्व विभागीय जांच में भी अशोक कुमार को दोषी पाए जाने पर सरचार्ज के आदेश पारित हुए थे। विभाग के उच्च अधिकारियों की ओर से इस मामले में स्टेट्स रिपोर्ट मांगी जाती रही है। गबन की राशि की रिकवरी के लिए अधिकारियों की ओर से भू राजस्व विभाग से संपति अटैच करने के लिए लिखा जा चुका है, साथ ही सेवानिवृत्ति पर मिलने वाले धन पर रोक लगाने के लिए बैंक को पत्र लिखा गया है। गबन के आरोपों की जांच उप निरीक्षक रमेश कुमार की ओर से की गई। जिसमें उन्होंने रिकॉर्ड प्राप्त कर वादी व प्रतिवादी पक्ष के बयान कलमबद्ध किए।

सहकारी समिति में गबन की नई बात नहीं

सहकारी समितियों में गबन के मामले सामने आना नई बात नहीं है। इससे पूर्व गुढ़ा पैक्स में कार्यरत रसूलपुर वासी रामराज व कनीना में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर योगेश कुमार वासी मोहनपुर की ओर से लाखों रुपये का गबन किया गया था। जिनके मामल उजागर होने के बाद अधिकारियों ने योगेश कुमार को केंद्रीय सहकारी बैंक कनीना से हटा दिया, जबकि रामराज पिछले करीब दो साल से सस्पेंड चल रहा है।

क्या कहते है सहायक रजिस्ट्रार

इस बारे में सहकारी समिति महेंद्रगढ़ के सहायक रजिस्ट्रार प्रवीन कुमार ने बताया कि सीनियर अकाउंटेंट अशोक कुमार की ओर से 1677837 रुपये के गबन की रिकवरी को लेकर प्रयास किए जा रहे हैं। बैंक में पत्र भेजकर उनके लाभ रोकने को कहा गया है। वहीं दूसरी ओर राजस्व विभाग से अशोक कुमार के नाम संपति की स्टेटस रिपोर्ट मांगी गई है।

क्या कहते है थाना इंचार्ज

सिटी थाना कनीना के इंचार्ज रविंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देश पर अशोक कुमार के खिलाफ पैकस की राशि में गबन करने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। केस की गहनता से छानबीन की जा रही है।

मृत्यु तो प्रभु का आमंत्रण है। जब वह आए तो द्वार खोलकर उसका स्वागत करो और चरणों में हृदयधन सौंपकर अभिवादन करो।
- रविंद्रनाथ टैगोर

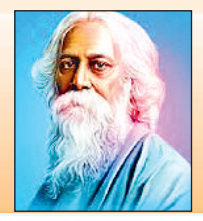

अंधेरी सुनसान रात में ऊपर से लेकर नीचे तक पसीने से नहाए उसके कदम लड़खड़ाकर, गिरने को हो गए। लेकिन तभी साये की मजबूत बांहों ने उसे कसकर थाम लिया तथा गिरने से बचा लिया। इस अकस्मात मदद से कुछ क्षण के लिए उसकी सांसें रुक गई तथा आंखों के आगे अंधेरा छा गया। इस घुप्प अंधेरे में साये की बाहों के मजबूत बंधन में उसे केवल वहशीपन की बू आ रही थी।

कहानी
अर्चना कोचर

शुभरात्रि

दफ्तर से घर के रास्ते में अचानक कैब खराब हो गई। रात बड़ी अंधियारी और सड़क बिल्कुल सुनसान थी। घर और रास्ते की दूरी लगभग बीस किलोमीटर थी। भाई और पापा दोनों शहर से बाहर गए हुए थे। और-तो-और इंटरनेट भी गायब था। संध्या बदहवास सड़क पर पैदल पागलों की भाँति भागी जा रही थी और साथ-साथ चल रहा था वह घुप्प अंधेरा। तभी उसे ऐसा आभास हुआ जैसे कोई साया उसके साथ-साथ चल रहा है। परछाई होगी, समझ कर नजरअंदाज कर दिया। लेकिन तभी वह साया बिल्कुल करीब आ गया।

यह मन का वहम नहीं, अपितु हकीकत है। डर के मारे उसकी घिग्घी बंध गई। अंधेरी सुनसान रात में ऊपर से लेकर नीचे तक पसीने से नहाए उसके कदम लड़खड़ाकर, गिरने को हो गए। लेकिन तभी साये की मजबूत बांहों ने उसे कसकर थाम लिया तथा गिरने से बचा लिया। इस अकस्मात मदद से कुछ क्षण के लिए उसकी सांसें रुक गई तथा आंखों के आगे अंधेरा छा गया। इस घुप्प अंधेरे में साये की बाहों के मजबूत बंधन में उसे केवल वहशीपन तथा कंचे सी चमकती आँखों से वासना की बू नजर आ रही थी। तभी सुनसान को चीरती उसकी मधुर तथा धीमी आवाज, 'आप ठीक तो हैं।' संध्या ने मौन तथा सहज होते हुए स्वयं को उसके बंधन से आजाद किया। उसका वहीं सवाल फिर से, 'आप ठीक तो हैं।' संध्या ने बड़े धीमे से - हाँ, बोला। अब वह साया कदम-से-कदम मिलाकर उसके साथ-साथ चलने लगा। संध्या तेज-तेज कदमों से जितना दूर होने का प्रयास करती, वह उतना करीब आता जा रहा था। मानो संध्या के कदमों की गति से अपने कदमों के सुर-ताल मिला रहा हो। उसने फिर से सुनसान को चीरते हुए - 'इस वक्त इस सुनसान सड़क पर अकेले कैसे ?

डर के मारे संध्या के स्वर नहीं निकल पा रहे थे। उसके भय और चुप्पी को भांपकर उसने ढांढस बंधाते हुए - 'आप डरिए नहीं, इतनी सुनसान सड़क पर अकेली कैसे', लगती तो आप किसी सभ्य घर से है' ?

डर के मारे संध्या के होठ सिल गए, जिह्वा तालू से चिपक गई, शब्द कंठ तक तो आ रहे थे, लेकिन निकल नहीं पा रहे थे। वह बस बदहवास भागी जा रही थी। जैसे बीस किलोमीटर की दूरी दो ही मिनट में पूरी कर लेगी। वह जिस तरह से साथ-साथ चल रहा था, उसके हैवान होने का शक संध्या के दिमाग पर उतना ही गहराता जा रहा था। अपने पर काबू पाकर वह सिर्फ दो ही शब्द बोल पाई - 'आप यहाँ से जाइए, मैं अपने-आप चली जाऊँगी।' उसने कहा - 'सड़क सुनसान है, घुप्प अँधेरा है, शहर यहाँ से लगभग बीस किलोमीटर की दूरी पर है। इस समय सड़क पर शायद ही कोई वाहन मिले। 'संध्या ने फिर से हिम्मत बटोरकर - "बोला ना, आप जाइए! मैं चली जाऊँगी।" उसने कहा, "आगे थोड़ा जंगल का रास्ता है। इस समय जंगली जानवरों तथा अराजक तत्वों का खतरा होता है। आपके लिए अकेले वहां जाना सुरक्षित नहीं है।" संध्या ने मन-ही-मन, 'मैंने तुम्हारी आँखों में हैवानियत पढ़ ली है। अपने-आप को बड़े औरत के रखवाले और परम हितैषी समझते हो। मर्द परम हितैषी बनकर ही तो औरत को धोखा देते हैं। मैं तुम्हारे झांसे में नहीं आने वाली हूँ। क्यों उल्लू बना रहो' ?

संध्या उससे जितना दूर भागने की कोशिश करती, वह उतना ही उसके साथ-साथ हो लेता। उसने फिर वहीं बात दोहरा दी - 'आपने अपना नाम नहीं बताया, इस सुनसान सड़क पर कैसे'?

'संध्या तुतलाते हुए - 'संध्या, कैब खराब हो गई थी'। फिर एकदम से चिल्लाकर - 'बस बता दिया सब कुछ', अब आप मुझे मेरे हाल पर छोड़कर यहां से जाइए।

संध्या के अचानक चिल्लाने से वह मुस्कुरा पड़ा और कंचे की तरह गोल घूमती मोटी-मोटी आंखों से उसे घूरने लगा। ऐसा लग रहा था जैसे वह अभी कपटी बाज की तरह उस पर झपटेगा और भूखे भेड़िए की भांति उसके जिस्म के टुकड़े-टुकड़े करके नोच डालेगा। वह भय के मारे बेहताशा भागने लगी, लेकिन उसने, उसके पीछे भागकर उसे पकड़ लिया और बाहों के पाश में भरकर अपने रुमाल से माथे का पसीना पोंछते हुए - 'आराम से चलिए, घबराइए नहीं।' संध्या फिर से चिल्लाते हुए - 'आप मेरे पीछे क्यों पड़े हैं', जाते क्यों नहीं? मुझे मेरे हाल पर छोड़िए और जाइए यहाँ से। मैं आप जैसे चालबाज लुटेरों को बड़े अच्छे से जानती हूँ। पहले किसी की मजबूरी पर हमदर्दी जताकर विश्वास हासिल कर लेते हो, फिर सब कुछ लूटकर चलते बनते हो।' वह फिर मुस्कुराते हुए - "संध्या जी मेरा नाम गौरव है।" उसने चिढ़ते हुए - "गौरव-सौरव या कुछ और, फिर मैं क्या करूं ?" वह ढिठाई से मुस्कुराते हुए - 'जी पक्का-पक्का गौरव ही है। 'अब पकड़म-पकड़ाई और नोकझोंक में काफी समय हो गया था। आगे का रास्ता सुनसान, अँधकारमय तो था ही, साथ में गहरे जंगल से घिरा था। संध्या के पास भी उसके साथ चलने के अलावा कोई चारा नहीं था। अतः उसने भी मन के भय को खत्म करके सहज होकर उसके साथ चलने में ही अपनी भलाई समझी। अब न वह कुछ बोला और न ही संध्या। वह दोनों चुपचाप रास्ते की दूरी नाप रहे थे। संध्या बीस किलोमीटर के रास्ते को कदमों से नाप रही थी और वह कदम-से-कदम मिलाकर उसका साथ निभा रहा था। पीछे से गाड़ी का हॉर्न सुनकर, अपने पास रुकता देख संध्या डर के मारे लड़खड़ा गई।

गौरव उसका हाथ पकड़कर उसे सड़क के किनारे ले आता है। तभी गाड़ी उनके पास आकर रुकती है और दरवाजा खुलता है। अंदर दो जन - एक ड्राइवर की सीट पर तथा एक पीछे बैठा था। गौरव उसे अंदर बैठने के लिए बोलता है, लेकिन वह चिल्लाना शुरू कर देती है - 'मैं आप जैसे कपटी-दगाबाज लोगों को बड़े अच्छे से जानती हूँ, पहले विश्वास जमाते हो, फिर गैंग में लूटते हो।' उसने मुस्कुराकर विनयपूर्वक उसे फिर से अंदर बैठने के लिए कहा। लेकिन संध्या के जोर-जोर से चिल्लाने पर गौरव ने उसके मुँह पर हाथ रखकर, उसे धक्का देकर गाड़ी के अंदर बैठा दिया। फटाफट दरवाजें बंद किए और गाड़ी चल पड़ी। संध्या बेचैन कभी भगवान को याद करती, कभी अपनी फूटी किस्मत को, 'इस कैब को भी आज ही खराब होना था, जब घर पर कोई नहीं है। आज तो तू लुटी-ही-लुटी या तो तेरा राम-नाम सत होगा या ताउम्र बदचलन, बेहया का ठप्पा और मीडिया की बेचारी बनी-बनी न जाने कहाँ-कहाँ मशहूर हो जाएगी?' तभी गौरव ने पूछा - 'कहां जाना है आपको?' संध्या की डर के मारे जुबान निकल ही नहीं रही थी। ऐसा लग रहा था जैसे उसने कुछ बोला है और इन्हें सुनाई नहीं दिया। गौरव ने फिर जोर से पूछा - "संध्या जी, मैं पूछ रहा हूँ, आपका घर कहां पर है ?" संध्या कुछ जवाब देती इससे पहले ही ड्राइवर - 'साहब, मैं तो गाड़ी फैक्ट्री के गैराज से निकालने गया था, इतनी देर में आप न जाने कहां गायब हो गए। मैं और सौरव साहब (पीछे बैठा व्यक्ति शायद गौरव का भाई होगा) बड़ी देर तक आपको फैक्ट्री के अंदर-बाहर ढूंढते रहे। आप फोन तो वहीं छोड़ आए और गाड़ी की चाबी भी साथ ले आए थे।

तभी गौरव जेब टटोलते हुए - 'ओह! बस वैसे ही पैदल चलने का मन हो आया था।' सौरव- 'गौरव, ऐसे कैसे तुम एकदम सुनसान सड़क पर अकेले पैदल बिना कुछ बताए चाबी जेब में डाले निकल आए' ? 'यह तो शुक्र है आज दूसरी गाड़ी फैक्ट्री में खड़ी थी और हम निकल आए। तुम्हें पता है यह जंगल का रास्ता कितना सुनसान और खतरनाक है। अकेले और पैदल यहां कितनी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। भाई दो-चार किलोमीटर हो तो पैदल की सोचते, पूरा बीस किलोमीटर, वो भी जंगल, खतरों के खिलाड़ी बनने का इरादा है क्या?

गौरव - हूं। संध्या मन-ही-मन शायद मुझे सुनसान सड़क पर पैदल चलता देखकर यह साया मेरी हिफाजत में मेरी और आया होगा। तभी संध्या हिम्मत करके - 'गौरव जी, मुझे बस्तीपुरा जाना है।' गौरव ने ड्राइवर को गाड़ी बस्तीपुरा में घुमाने को बोला। बस्तीपुरा पहुंचकर संध्या को उसके घर के बाहर गेट पर उतारते हुए- अभी संध्या अपनी कृतज्ञता प्रकट करने ही वाली थी कि गौरव एकदम से मुस्कुरा कर - 'संध्या जी, सारे राहगीर चालबाज, भेड़िए और लुटेरे नहीं होते हैं। अच्छा चलते हैं, शुभरात्रि !

संध्या के अचानक चिल्लाने से वह मुस्कुरा पड़ा और कंचे की तरह गोल घूमती मोटी-मोटी आंखों से उसे घूरने लगा। ऐसा लग रहा था जैसे वह अभी कपटी बाज की तरह उस पर झपटेगा और भूखे भेड़िए की भांति उसके जिस्म के टुकड़े-टुकड़े करके नोच डालेगा। वह भय के मारे बेहताशा भागने लगी, लेकिन उसने, उसके पीछे भागकर उसे पकड़ लिया और बाहों के पाश में भरकर अपने रुमाल से माथे का पसीना पोंछते हुए - 'आराम से चलिए, घबराइए नहीं।' संध्या फिर से चिल्लाते हुए - 'आप मेरे पीछे क्यों पड़े हैं', जाते क्यों नहीं? मुझे मेरे हाल पर छोड़िए और जाइए यहां से। मैं आप जैसे चालबाज लुटेरों को बड़े अच्छे से जानती हूं। पहले किसी की मजबूरी पर हमदर्दी जताकर विश्वास हासिल कर लेते हो, फिर सब कुछ लूटकर चलते बनते हो।'

कविता
डॉ. बबिता सिंह

जीवन

इंद्रधनुषी सतरंगी
झिलमिल हो नभ पंथ
कनक थाल में मेघ सजा हो
हो जीवन उद्धार प्रिय।

सुरमई शाम
आँगन में दीप
नूपुर की रुनझुन से ,
हो जीवन उद्धार प्रिय।

अंतर्मन भर पुलक
अरुण का सूर्य कलश
पाँव में महावर हो ,
हो जीवन उद्धार प्रिय।

अलि गूँजित मधुवन
सुधि से सुरभित स्नेह
स्पंदन ले अंक में ,
हो जीवन उद्धार प्रिय।

चिर अनमोल बंधन
प्रेम की परिधि
सागर की मोती सा,
हो जीवन उद्धार प्रिय।

अंबर में विद्युत
उर में है बादल
साँसों के सौरभ-सा,
हो जीवन उद्धार प्रिय।

मधुरता अलक्षित
स्वर्ग सा श्रृंगार
संगीत की झंकार से
हो जीवन उद्धार प्रिय।

पवन हौले मृदुल
पावस का पलक डोल
तारों की चाँदनी-सा,
हो जीवन उद्धार प्रिय।

ग़ज़ल
कृष्ण गोपाल विद्यार्थी

इस ज़मीं का आदमी

इस जमीं का आदमी जब से खुदा होने लगा।
जन्दिगी का जायका ही बदमजा होने लगा।

ये अमन के पोस्टर जब से लगे हैं शहर में,
हर गली, हर मोड़ पर एक हादसा होने लगा।

आदमी शायद अजायबघर में ढूंढा जाएगा,
गर शहर में आए दिन ये सिलसिला होने लगा।

बढ़ गये नाखून,जबड़ों से टपकता है लहू,
आजकल के आदमी को जाने क्या होने लगा।

रोशनी देने के बदले घर जलाते हैं चिराग़,
अब शहर में जंगलों सा वाकया होने लगा।

ग़ज़ल
पं. कमल कांत भारद्वाज

असली मुखौटा

सब कुछ बता दिया मेरा हाथ देख कर
ये सब बताया उसे मेरे साथ देखकर

मैं अकेला ही लड़ लूँगा अपने मुक़द्दर से
मुझे संभल जाना चाहिए दुश्मन की चाल देखकर

वो आया था मुझे मिलने मेरे सायबान में
वापस लौट गया मेरा हाल बेहाल देखकर

ये सब जैसे दिखते हैं तुम्हें वैसे है नहीं
चेहरों पे नक़ाब डाल लेते हैं माहौल देखकर

किसे बतायें 'कमल' फ़लसफ़े अपनी ग़ुरबत के
अपनो ने ही ख़ंजर चला दिया बदहाल देखकर

कविता
राजेश भारती

एक दिन

एक दिन ऐसे ही बादल छूकर चला गया
धूप पत्तों पर ठिठकी, फिर लौट आई
हवा में गुनगुनाहट सी बिखर गई

सुबह की चाय में धुआँ उड़ा
खिड़की से झाँकती थी नन्ही चिड़िया
एक दिन ऐसे ही वक्त नर्म हो गया

गली के बच्चों की हँसी गूँजी
पेड़ की डाल पर सूरज झूलता रहा
मैंने चुपचाप समय को थाम लिया

शाम ने आकाश को गुलाबी रंग दिया
नदी किनारे चुपचाप लहरें सो गईं
एक दिन ऐसे ही दिल हल्का हो गया।

कविता
इन्दू घणघस

पापा

उठते थे सवेरों से पहले,
सांझ को भी कहा चयन पाते थे।
मेरे कल की खातिर
अपने आज को भूल जाते थे।

सफलता की थपकी
विफलता का कंधा थे।
अंधेरी काली रात का,
चमकता चंदा थे।

बड़े सादे ख्याल थे उनके,
बड़ी सादि जिंदगानी थी।
अब तो ढल गया वो चांद,
उसकी चमक बड़ी नूरानी थी।

साहित्य को समाज का दर्पण बताते हुए साहित्यकार कृष्ण लाल का कहना है कि आज के बदलते परिवेश में साहित्य की स्थिति चुनौतीपूर्ण है, जिसमें युवाओं में साहित्य के प्रति रुचि बेहद कम होना चिंता का विषय है। हर कोई गूगल या अन्य आधुनिक डिवाइसेज पर विश्वास करके पुस्तकों के पढ़ने में कम रुचि दिखा रहा है। साहित्य सर्जन के प्रति प्रेरित करने के लिए प्राइमरी स्कूल स्तर पर ही अथक प्रयास करने होंगे।

साक्षात्कार
ओ.पी. पाल

प्रकृति व मानव के बीच दूरियां मिटाने में अहम साहित्य: कृष्ण

साहित्य और संस्कृति का समाज को नई दिशा देने में अहम योगदान माना गया है। इसी मकसद से लेखक, साहित्यकार एवं कलाकार अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य साधना करते आ रहे हैं। ऐसे ही साहित्यकारों में शुमार कृष्ण लाल गिरधर ने साहित्यिक सफर में हिंदी, अंग्रेजी और हरियाणवी भाषा में अपनी कविताओं और आलेखों के माध्यम सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों को उजागर कर लोकप्रियता हासिल की है।

शिक्षाविद्, साहित्यकार एवं कवि कृष्ण लाल गिरधर ने हरिभूमि संवाददाता से बातचीत के दौरान कुछ ऐसे अछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें साहित्य के जरिए प्रकृति और मानव के बीच में बढ़ती दूरियां मिटाना संभव है। वरिष्ठ साहित्यकार कृष्ण लाल गिरधर का जन्म 12 सितंबर 1961 को रोहतक के निकटवर्ती गांव मदीना में मनोहर लाल और मीराबाई के घर में हुआ। पिता एक दुकानदार थे। गांव में ही खेतों खलियान के बीच प्रकृति की गोद में बचपन बीता और उनकी प्राथमिक शिक्षा दीक्षा हुई। राजकीय उच्च विद्यालय मदीना से उन्होंने मैट्रिक पास की और हिंदू कॉलेज रोहतक से 1981 में बी.ए. की परीक्षा पास करने के बाद सर छज्जू राम कॉलेज हिसार में बी.एड.में दाखिला लिया। सन 1982 में बतौर गणित अध्यापक के रूप में राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल निदाना, साल 2002 में राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल सांपला और साल 2005 से सितंबर 2019 (सेवानिवृत्ति) तक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मदीना में कार्यरत रहे। करीब बीस साल उन्होंने अंग्रेजी मास्टर ट्रेनर के रूप में कार्य किया।

अध्यापन के दौरान उन्होंने एम.ए.(पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन), एम.ए.(अंग्रेजी) और एमएड. की परीक्षाएं महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी रोहतक से उत्तीर्ण की। दरअसल उनका परिवार भारत विभाजन के बाद अमृतसर और उसके बाद कुरुक्षेत्र से जिला रोहतक में आकर बस गया। उनके परिवार में किसी प्रकार का कोई साहित्यिक माहौल नहीं था। सन 1978 में कॉलेज समय के दौरान उन्होंने पहली कविता लिखी और हिंदू कॉलेज रोहतक की तरफ से उन्होंने गॉड कॉलेज रोहतक में काव्य पाठ प्रतियोगिता में भी हिस्सा लिया। एक घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि जब वह अंग्रेजी परीक्षा की तैयारी अपने गांव के पास नहर पर स्थित एक पेड़ के नीचे बैठकर कर रहे थे कि अचानक लगभग 5 फीट लंबा कोबरा सांप उनके सामने से गुजरा और सीधा नहर से पानी पीकर वापस उनके आगे से ही गुजर गया, लेकिन उसने उसे कोई हानि पहुंचाई। बकौल कृष्ण लाल, यहां से उन्हें एक संदेश मिला, जो कि जॉन मिल्टन ने भी कहा कि वह अंधा हो गया है, लेकिन परमात्मा ने उन्हें लेखन कार्य दिया है वह तो उन्हें करना ही पड़ेगा, वरना आगे उसके दरबार में वह क्या जवाब देगा। इस प्रकार उन्हें अंदर से ही एक प्रेरणा मिली और फिर कलम उठाकर लिखना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि सबसे पहले सन 1995 में राज्य शिक्षक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद गुरुग्राम के जनसंख्या विभाग में मेरी दो हिंदी कविताएं प्रकाशित हुई। मार्च 2007 में 'मैं विकलांग नहीं हूं' शीर्षक कविता प्रकाशित हुई। साहित्यिक साधना में उनकी रचनाओं का फोकस पर्यावरण, सामाजिक कुरीतियों, मनुष्य का व्यवहार, मानवता, दया, सत्य, प्रेम करूणा आदि के भाव रहे है। अभी तक लगभग 60 हिंदी कविताएं प्रकाशित हैं और 100 कविताओं के कविता संग्रह पर काम जारी है। हरियाणवी भाषा में भी उन्होंने करीब 67 कविताएं लिखी, जिनमें से एक है 'शहर मह ताईं' जो कि पर्यावरण पर कुठाराघात है, जो एनसीईआरटी गुड़गांव में भाषा प्रशिक्षण सेमिनार में सन 2005 में प्रस्तुत की गई। साहित्य साधना के अलावा कृष्ण लाल सामाजिक सेवा में भी सक्रिय हैं, जिन्होंने कोरोना काल के दौरान अज्ञात किडनी रोगी को स्वैच्छिक प्लाज्मा दान करके मानवीय भाव को प्रकट किया और समाज को जागरुकता के लिए महामारी के दौर में प्रकृति पोषण और मनुष्य और प्रकृति को लेकर कविताएं भी लिखी। भारत विकास परिषद जैसी सामाजिक संस्थाओं से जुड़े कृष्णलाल के लेख, कविताएं और विभिन्न पत्रिकाओं में भी प्रकाश होते आ रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

साहित्यकार कृष्णलाल गिरधर की प्रकाशित अंग्रेजी भाषा की छह पुस्तकों में फीलिंग फेदर्स, लाइफ (लिव, लव, लाफ़), लव एंड पीस तथा मी एंड माई अनसैड फिलिंग्स सुर्खियों में हैं। वहीं उनकी दो पुस्तकें नेचर नचर्स और मैन एंड नेचर कोरोना काल के दौरान लिखी गई, जबकि दो पुस्तकें महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से संबन्धित प्रकाशित हुई हैं। इसके अलावा उन्होंने हिंदी साहित्य में करीब सौ कविताएं लिखी, जिनका संग्रह जारी है। उन्होंने 67 कविताएं हरियाणवी में लिखी हैं।

कृष्ण लाल गिरधर

पुरस्कार व सम्मान

साहित्यकार कृष्ण लाल गिरधर को उनकी पुस्तक पर मेघालय के तत्कालीन राज्यपाल सत्यपाल मलिक से राज्यपाल पुरस्कार मिल चुका है। वहीं उन्हें अंतरराष्ट्रीय अंग्रेजी साहित्य के करीब 75 सम्मान पत्र (सर्टिफिकेट) मिले हुए हैं। हरियाणा साहित्य अकादमी से भी उन्हें पुस्तक मी एंड माई अनसैड फिलिंग्स के लिए पुरस्कृत किया गया। हरियाणा राज्य शिक्षण एवं प्रशिक्षण परिषद गुरुग्राम ने भी उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : कृष्ण लाल गिरधर
जन्मतिथि :12 सितंबर 1961
जन्म स्थान : गांव-मदीना (रोहतक)
शिक्षा : एम.ए. (अंग्रेजी),एम.ए. (पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन),एम.एड
संप्रति : सेवानिवृत्त प्रवक्ता (अंग्रेजी), लेखक, साहित्यकार, कवि

ऊर्जा देती है 'नई सोच के नये पंख'

पुस्तक समीक्षा
शशि कांत चौहान

पुस्तक: नई सोच के नये पंख
कवि : हरीश चंद्र झंडई
मूल्य: 250 रुपये
प्रकाशक: बोधि प्रकाशन

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. हरीश चंद्र झंडई का काव्य संग्रह 'नई सोच के नए पंख' पाठकों को नई ऊर्जा प्रदान करती है। इस संग्रह की रचनाएं नया करने की ऊर्जा प्रदान करने के साथ-साथ वर्तमान के बदलते युग और भविष्य में आने वाली चुनौतियों के प्रति आगाह करती हैं। यूं तो आज का मानव हर क्षेत्र में तरक्की कर चुका है, परन्तु इन सबके बीच कहीं न कहीं मानवता का ह्रास हो गया है।

डॉ. झंडई की पूर्व प्रकाशित संग्रह नये रास्ते नई डगर, नई सोच के नये रंग, नया सवेरा में भी युवा पीढ़ी को कुछ नया करने का संदेश देते रहे हैं। प्रस्तुत संग्रह की शीर्षक कविता के माध्यम से भी कवि पाठकों को जीवन की तमाम चुनौतियों के बीच, संकीर्ण विचारों को छोड़कर नई उड़ान भरने का आह्वान करता है। जब इंसान नई सोच रखता है, तभी वह बाधाओं पर पार पा सकता है।

'नई सोच के नये पंख' में कुल 80 कविताएं हैं। इन कविताओं में रचनाकार ने भारत के इतिहास से लेकर विश्व की वर्तमान अवस्था, युद्ध के मुहाने पर खड़ी दुनिया, गिरते मानवीय मूल्यों जल संकट, पर्यावरण प्रदूषण, सता लोलूपता और नारी-विमर्श प्रधानता दी है। इतना ही नहीं कवि ने अपने संग्रह की अंतिम कविता 'प्यार की जिंदगी पत्नी है' में जीवन में पत्नी के महत्व को बहुत सुंदर शब्दो में पिरोया है। नई दुनिया में कवि ने एक ऐसी दुनिया की कल्पना की है जिसमें अहंकार, जात-पात की भावना न हो बल्कि संस्कारों की भावना, मानवता और रिश्तों का सम्मान हो। संकट के मुहाने पर खड़ी दुनिया' के माध्यम से कवि ने दुनिया में बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण के खतरे के प्रति आगाह किया है। 'लौट आये मेरा बचपन' कविता के मानवीय रिश्तों के टूटने का दर्द उभारा है कि किस तरह बचपन हंसता खेलता था और आज परिवार के बुजुर्गो में एकाकीपन है और खुशियों के पर अब नहीं मिलते हैं। आया राम गया राम की बेला' आज की राजनीति की हकीकत बयां करती है। डॉ. हरीश चन्द्र झंडई ने महिला सशक्तीकरण पर भी लेखनी चलाई है। इसमें बेटी की आगे बढ़ने की चाह को उजागर करती कविता के साथ-साथ बेटियों को मजबूत बनने का आह्वान किया है। इसके साथ ही 'मनकों की माला को बिखरने न दो' समाज को एकजुट रहने का संदेश देती है। जिन्दगी है संघर्ष की तपिश हार न मानने और संघर्ष करने का आह्वान है। कुल मिलाकर डॉ. हरीश चन्द्र झंडई 'नई सोच के नये पंख' के माध्यम से अपना संदेश देने में सफल रहे हैं। पुस्तक का आवरण भी प्रशंसनीय है।

खबर संक्षेप

नारनौल। तिलक लगाकर नववर्ष की बधाई देते हुए। फोटो : हरिभूमि

नववर्ष पर किया हनुमान चालीसा का वितरण

नारनौल। भाजपा युवा मोर्चा ने हिंदू नववर्ष के शुभ अवसर पर हनुमान चालीसा का वितरण किया। इस अवसर पर भगवा तिलक लगाकर सनातनी प्रेमियों को शुभकामनाएं दी। नगर पार्षद व प्रदेश आईटी सहप्रमुख युवा मोर्चा भाजपा सिकन्दर कुमार ने कहा कि धर्म के प्रति निष्ठा भाव रखकर कम से कम एक समय हनुमान चालीसा अवश्य पढ़ें। इस वितरण कार्यक्रम में युवा मोर्चा जिला सचिव राजेश सैनी, युवा मोर्चा पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल शर्मा, आशु अग्रवाल, राकेश यादव, कैलाश चंद, होशियार सिंह, रविंद्र यादव, धर्मपाल ने सहयोग किया।

विद्या भारती स्कूल का परीक्षा परिणाम घोषित

नारनौल। विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया व अभिभावक-शिक्षक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में संस्था के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव व संपूर्ण विद्यालय परिवार ने हवन का आयोजन कर नए सत्र की शुरूआत की गई। इस अवसर जितेन्द्र, अमित, विक्रम, रामकिशन, हेमंत, मनोज, विरेन्द्र, रिंकेश, संदीप, विजेन्द्र, गोविन्द, राकेश, कंचन सिंह, सोनम) आदि अनेक अभिभावकगण उपस्थित होकर बच्चों का उत्साहवर्द्धन किया।

सरस्वती स्कूल में वार्षिक उत्सव आयोजित

नारनौल। सरस्वती बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल पुल बाजार में 51वें वार्षिकोत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में स्कूल के छात्रों, शिक्षकों व अभिभावकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि डा. वीपी यादव पूर्व चेयरमैन विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी व विद्यालय प्रबंधन समिति के सभी सदस्यगण ने दीप प्रज्ज्वलित करके की। उन्होंने छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और विद्यालय की सफलता की सराहना की। प्रधानाचार्या क्षमा पांडेय ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास व टीमवर्क का विकास होता है। इस दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक व रचनात्मक उपलब्धियों का सम्मान करना था।

राधा कृष्ण संगठन ने निकाली प्रभातफेरी

नारनौल। संस्था राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 115वीं प्रभात फेरी का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन नई सराय से प्रारंभ हुआ। नव संवत्सर व नवरात्रि स्थापना के पावन अवसर पर इस प्रभात फेरी के यजमान गौरीशंकर मित्तल ने अपने परिवार सहित अपने निवास स्थान पर ठाकुर जी की पूजा अर्चना व आरती कर प्रभात फेरी का शुभारंभ किया। सभी श्रद्धालुओं को चंदन तिलक लगाकर इस मंगलमयी यात्रा का आरंभ किया गया। प्रभात फेरी में सैकड़ों महिलाएं, पुरुष व बच्चे शामिल थे। ढोल नगाड़ों की थाप पर राधा नाम का संकीर्तन करते हुए पूरे उत्साह के साथ प्रभात फेरी में सम्मिलित हुए। प्रभात फेरी यजमान के निवास स्थान से आरंभ होकर सेन चौक, शीतला माता चौक, पुरानी सराय से होते हुए पुनः नई सराय में परिक्रमा कर यजमान के निवास स्थान पर सम्पन्न हुई। श्रद्धालुओं ने अपने घरों से बाहर आकर इस आयोजन का स्वागत किया।

विक्रमी संवत के 2082 शुभारम्भ पर विचार गोष्ठी का आयोजन

संस्कृति संरक्षण व संवर्धन सबकी सहभागिता से ही संभव: यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

यादव धर्मशाला में सांस्कृतिक अहीरवाल के पांचवें स्थापना दिवस व विक्रमी संवत के 2082 शुभारम्भ पर आयोजित विचार गोष्ठी में मुख्य वक्ता वीपी यादव पूर्व चेयरमैन हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड थे। उन्होंने कार्यक्रम सीडीएस परीक्षा को इण्डिया टाप करने वाले आदित्य यादव व उनके पिता सतीश यादव को सम्मानित किया। बेगमपुर हरीश यादव व उनके पिता पप्पूराम को उनकी विशेष उपलब्धि के लिए सम्मानित किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कृति का संरक्षण व संवर्धन तभी संभव हो सकता है, जब प्रत्येक व्यक्ति अपने स्तर पर अपने घर, परिवार और मोहल्ले से गांव तक प्रचलित परंपराओं को आगे बढ़ाए और उनमें सभी लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करें। कुछ परम्परा हमारी ग्राम स्तर पर होती हैं, कुछ परम्परा हमारे क्षेत्र पर होती हैं और कुछ परम्परा हमारे राष्ट्रीय स्तर पर होती हैं। उन सभी परंपराओं का पालन करना ही वास्तव में संस्कृति संरक्षण कहलाता है और इन सब पर प्रयास पूर्वक हर व्यक्ति को काम करते रहना चाहिए।

कार्यक्रम में आचार्य योगेंद्र योगाचार्य रेवाड़ी भी उपस्थित रहे। उन्होंने लोगों से संबंधित करते हुए कहा हमारे गांव और मोहल्ले में सहभागिता से कार्य संपन्न किए जाते थे। इसलिए किसी गरीब को किसी आपत्ति में भयभीत होने की आवश्यकता नहीं होती थी, क्योंकि उसके साथ समाज रहता था। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति सर्वे भवंतु सुखिनः की रही है और इसलिए अपने दिन प्रतिदिन किए जाने वाले कार्यों में किसी को दुख तकलीफ ना हो इसका ध्यान रखना चाहिए। विचार गोष्ठी में धर्मपाल शर्मा, मास्टर पुरुषोत्तम आर्य, छत्रपाल वर्मा, शमशेर कोसलिया ने भी अपने भाव विचार रखें।

नारनौल। गोष्ठी को संबोधित करते वक्ता। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। नव संवत पर हवन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

नव संवत पर किया हवन

नारनौल। कैलाशनगर विकास समिति ने भारतीय नववर्ष पर हवन का आयोजन किया। रेवाड़ी रोड पर आयोजित इस हवन के मुख्य यजमान प्रधान प्रेमराज रहे। यज्ञ के ब्रह्मा शास्त्री महावीरआर्य ने पूरे वैदिक मन्त्रोचार से यज्ञ सम्पूर्ण करवाया। मुख्य यजमान ने नव वर्ष चैत्र मास शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के आगमन पर सभी सदस्यों को शुभकामनाएं संप्रेषित की। सेवानिवृत्त कप्तान हरीश सैनी ने नवसंवत के वैज्ञानिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय नवसंवत पूर्णतया तर्कसंगत है। हम वैसुधव कटुम्बकम के विचार से पूरे विश्व का कल्याण चाहते है। संस्था के सचिव नरोत्तम सोनी ने कहा कि हमें नित्य प्रति हवन करने चाहिए। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ आत्मिक उत्कर्ष भी होता है। बालकिशन सचदेवा ने नवसंवत का ऐतिहासिक महत्व बताया। सभी सदस्यों ने हवन में पूर्ण आहुति डालकर एक दूसरे को नववर्ष की बधाई दी। इस भारतीय नवसंवत का स्वागत करने के लिए प्रेमराज, सुबेसिंह, हनुमान प्रसाद, नरोत्तम सोनी, देवीप्रकाश प्रवक्ता, महावीर आर्य, मनोज सोलंकी, बालकिशन आदि मौजूद थे।

नारनौल। हवन में आहुति देते अधिवक्तागण। फोटो : हरिभूमि

भारतीय नववर्ष विक्रम संवत पर अधिवक्ता परिषद ने किया हवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

अधिवक्ता परिषद की जिला इकाई ने अधिवक्ता परिषद के जिला अध्यक्ष मनीष वशिष्ठ एडवोकेट के संयोजन में भारतीय नववर्ष के अवसर पर अधिवक्ता चौम्बर परिसर में हवन का अयोजन किया। हवन अधिवक्ता चैम्बर परिसर में स्थित श्री हनुमान मंदिर के समक्ष आयोजित किया गया। हवन में यजमान के रूप में मनीष वशिष्ठ एडवोकेट व उनकी पत्नी सुषमा व पवन यादव एडवोकेट व उनकी पत्नी ममता यादव एडवोकेट रहे। जिला बार एसोसिएशन के प्रधान संतोख सिंह यादव ने भी हवन में आहुति दी। अधिवक्ता परिषद नारनौल इकाई के जिला अध्यक्ष मनीष वशिष्ठ एडवोकेट ने बताया कि विक्रम संवत 2082 आज चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा के दिन प्रारंभ हुआ है। अधिवक्ता परिषद ने अधिवक्ता चैम्बर परिसर में हवन का आयोजन करके नव वर्ष मनाया। हवन में हवनाचार्य पंडित महेन्द्र शास्त्री थे। हवन के पश्चात प्रसाद वितरित किया गया। जिला बार एसोसिएशन के प्रधान संतोख सिंह यादव व अधिवक्ता परिषद के जिला महासचिव महेश दीक्षित एडवोकेट ने सभी अधिवक्ताओं को भारतीय नववर्ष की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर अधिवक्ता परिषद एवं जिला बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान भवनी शंकर भारद्वाज एडवोकेट, महासचिव महेश दीक्षित, उपाध्यक्ष ललित शर्मा व मुकेश निर्मल, कौषाध्यक्ष कैलाश चन्द सैनी आदि मौजूद थे।

बीआर स्कूल में हुआ वार्षिक परिणाम व पारितोषिक वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

बीआर स्कूल सेहलंग में वार्षिक परिणाम घोषणा समारोह एवं अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें मुख्यातिथि बीआर ग्रुप चेयरमैन हरीश भारद्वाज, डिप्टी चेयरमैन कृष्ण भारद्वाज, प्राचार्य डॉ. राम मोहन वशिष्ठ, उप-प्राचार्या ज्योति भारद्वाज, सहायक प्रो. डॉ. पंकज भारद्वाज ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष मंत्रोच्चारण के साथ दीप जलाकर किया। समारोह के दौरान कक्षा तीन से 11 तक के विद्यार्थियों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कृत किया गया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र काव्या पुत्री कृष्ण भारद्वाज, परी पुत्री पवन कुमार, दीक्षा पुत्री प्रवीन कुमार, सोनम पुत्री मनीष कुमार, भावना पुत्री गोविंद, मयंक पुत्री संजय, साक्षी यादव पुत्री राकेश, दीक्षिता पुत्री जयपाल शामिल है।

महेंद्रगढ़। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते चेयरमैन एवं प्राचार्य।

गणेश कॉलोनी के शिव मंदिर में किया हवन

नारनौल। भारतीय हिन्दू नववर्ष 2082 विक्रमी संवत के पावन पर्व पर गणेश कॉलोनी स्थित शिव मंदिर में हवन किया गया। इसमें सभी कॉलोनी निवासियों ने भाग लिया। मंदिर के प्रधान राजेश यादव ने हर त्योहार पर मंदिर प्रांगण में हवन करने के लिए सबको प्रेरित किया तथा यजमान स्वरूप पूरे हवन में उपस्थित रहे। कॉलोनी निवासी दलजीत शास्त्री ने सभी को इस हिन्दू नववर्ष व चैत्र नवरात्र की शुभकामना दी। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि नववर्ष में नये विचार व नये व्यवहार, नई ऊर्जा से अपने जीवन पथ पर अग्रसर हो तथा ईश्वर से प्रार्थना की कि हिन्दू नववर्ष 2082 विक्रमी संवत में सभी स्वस्थ रहे। इस मौके पर कॉलोनी निवासी पवन कुमार, सोहन लाल आदि मौजूद थे।

श्रीकृष्णा स्कूल में हुआ अध्यापक-अभिभावक मिलन कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

श्रीकृष्णा स्कूल में अध्यापक-अभिभावक मिलन समारोह व अनुवल एकेडिमक अवार्ड-डे का आयोजन किया गया। पीआरओ सुधीर यादव ने बताया कि कार्यक्रम में कक्षा एलकेजी से कक्षा प्रथम से 12वीं तक के विद्यार्थी एवं उनके अभिभावकों ने भाग लिया।

समारोह में विद्यार्थियों के सत्र 2024-25 के वार्षिक रिर्पोट व विद्यार्थियों के परीक्षा परिणामों सहित अन्य गतिविधियों से अभिभावकों को अवगत करवाया गया। वहीं कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न, प्रशस्ति-पत्र व मेडल देकर सम्मानित किया गया। चेयरमैन डॉ. बीरसिंह यादव ने कहा कि अभिभावक-शिक्षक सम्मेलन स्कूली शिक्षा में महत्वपूर्ण घटक है।

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को सम्मानित करते चेयरमैन डा. बीरसिंह यादव।

महेंद्रगढ़। नए सत्र पर सुंदरकांड पाठ करते हुए।

हैप्पी स्कूल में सुंदरकांड के पाठ का शुभारंभ

महेंद्रगढ़। हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में नए शिक्षा सत्र 2025–26 के शुभारंभ पर हवन और सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया गया। स्कूल संचालक सुभाष चंद्र अग्रवाल और उपसंचालिका कौशल्या अग्रवाल, प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल और मैनेजर चंचल अग्रवाल सपरिवार यज्ञमान के रूप में उपस्थित रहे। सचिन कुमार, रामावतार शास्त्री, सत्यकाम कानौडिया, गोविंद गुप्ता, पवन जोशी ने वैदिक मंत्र उच्चारण के माध्यम से विद्यालय प्रांगण को सुरम्य बनाया। यह पवित्र अयोजन मां सरस्वती संकीर्तन मंडल प्रधान सचिन कुमार, सत्यकाम कानौडिया, पवन जोशी अतुल लामडीवाल और गोविंद गुप्ता के नेतृत्व में करवाया गया। प्राचार्य ने कहा कि हवन यज्ञ हमारी पुरातन संस्कृति का भाग जो हमें भगवान द्वारा बनाई गई सृष्टि के साथ जोड़े रखती है।

विजय इंटरनेशनल स्कूल में पारितोषिक एवं वार्षिक परिणाम समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

विजय इंटरनेशनल स्कूल बलाना में रविवार को पारितोषिक वितरण एवं वार्षिक परिणाम घोषणा समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मुख्यातिथि विधायक कंवर सिंह यादव एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व प्राचार्य एवं जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी मेजर एमआर लांबा ने शिरकत की। समारोह की शुरूआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की गई। विद्यालय के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने तिलक लगाकर तथा संस्था संरक्षक महेंद्र सिंह ने पगड़ी पहनाकर अतिथियों का स्वागत किया। प्राचार्य नत्थू सिंह ने वार्षिक परीक्षा परिणामों की घोषणा की। चेयरमैन विजय यादव टूमना ने सभी कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को सम्मानित करते विधायक कंवर सिंह यादव।

महेंद्रगढ़। पीटीएम में उपस्थित अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

आरआरसीएम में पीटीएम आयोजित

महेंद्रगढ़। आरआरसीएम पब्लिक स्कूल में अध्यापक-अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के अभिभावकों ने अपने बच्चों की रिपोर्ट जानने के लिए उपस्थिति दर्ज करवाई। संस्था चेयरमैन रोशनलाल यादव ने बताया कि माता-पिता घर में शिक्षक होते हैं और शिक्षक विद्यालय में माता-पिता होते हैं, विद्यालय और माता-पिता के संयुक्त प्रयासों से ही बच्चे का सर्वांगीण विकास होता है तथा परिणाम शानदार तभी होता है। प्राचार्य हरिप्रकाश ने बताया कि यह बैठक शिक्षकों और माता-पिता के बीच अपने बच्चे के विकास के लिए बातचीत की।

माता भूरा भवानी मंदिर में मां शैलपुत्री की उपासना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

माता भूरा भवानी मंदिर सिसोठ धाम में नवरात्रि के प्रथम दिन आराध्या देवी माता शैलपुत्री स्वरूप की उपासना की गई। माता का यह रूप सती, पार्वती, दुर्गा, उमा, अपूर्णा, गोरी, शिवांगी, सुभांगी, पर्वतवासिनी आदि अनेक नामों से प्रसिद्ध है। नवरात्रि के शुभारंभ पर महंत शक्तिनाथ महाराज के सान्निध्य में मंदिर परिसर में हवन किया गया। महंत शक्तिनाथ महाराज ने बताया कि नवरात्रों में प्रतिदिन सुबह छह बजे आरती होगी और नौ बजे हवन होगा। शाम चार से छह बजे तक महिला मंडली द्वारा भजन संगीत कार्याक्रम होगा और शाम छह बजे आरती होगी। कमेटी प्रधान संदीप यादव, सचिव मा. अनिल यादव व कमेटी सदस्य मुकेश चौहान ने बताया कि चार अप्रैल को माता का विशाल जागरण होगा और छह अप्रैल को माता का भव्य मेला व भंडारे का आयोजन होगा। चार अप्रैल को मंदिर परिसर में धीरज खुराना श्री श्याम कृप्या पार्टी द्वारा माता का जागरण किया जाएगा, जिसमें गुरुग्राम से गायक कलाकार भनुतनु ठाकुर, भजन गायक कलाकार रोहन सैनी, कथा वाचक सोनू पागल अपने सुंदर-सुंदर भजनों द्वारा माता का गुणगान करेंगे एवं मनमोहक झांकी दिखाई जाएंगी। मेले में खेल प्रतियोगिता का आयोजन होगा, जिसमें वॉलीबाल में प्रथम इनाम 11 हजार व द्वितीय इनाम 71 सौ रुपये इनाम दिया जाएगा। इसके साथ-साथ 51 रुपये से 51 सौ रुपये तक की कुश्ती करवाई जाएगी। वॉलीबॉल के लिए 100 रुपये इंट्री फीस ली जाएगी।

महेंद्रगढ़। नवरात्रि के प्रथम दिन मंदिर में हवन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

जन्मदिवस पर किया वैदिक यज्ञ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

अधिवक्ता धर्मवीर सिंह आर्य के 76वें जन्मदिवस पर उनके पुत्र, पोत्रादिक ने श्रद्धा भाव से महर्षि दयानंद सरस्वती द्वारा वर्णित पंच महायज्ञ के अनुसार तीसरा यज्ञ पितृ यज्ञ जीवित माता-पिता की सेवा के लिए वैदिक यज्ञ एवं सत्संग का आयोजन एलाइंस इंटरनेशनल स्कूल में किया गया, जिसमें मुख्य यजमान एडवोकेट रविंद्र यादव एवं एडवोकेट लता यादव व इंजीनियर अभिनव राव, डॉ. अनु अभिनव राव रहे। पंडित भूपेंद्र सिंह आर्य, वेद प्रकाश आर्य एवं बृहस्पति शास्त्री ने यज्ञ को वैदिक विधि विधान से संपन्न करवाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक कंवर सिंह यादव ने की। रामेश्वर दयाल शास्त्री ने मंच संचालन किया। समाज में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए अधिवक्ता धर्मवीर सिंह आर्य को वेद प्रचार मंडल ने वैदिक गौरव सम्मान एवं यादव सभा ने यादव गौरव के सम्मान से सम्मानित किया। बार एसोसिएशन महेंद्रगढ़ के प्रधान संदीप एडवोकेट द्वारा पगड़ी एवं भगवत गीता भेंट किया।

महेंद्रगढ़। यज्ञ में उपस्थित लोग। फोटो : हरिभूमि

शिक्षण संस्था की उत्कृष्टता का मुख्य पैमाना उसके उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम: नीतू यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नायन में वार्षिकोत्सव अर्थात स्पोर्ट्स, कल्चरल एंड एनुअल डे सेलिब्रेशन के अवसर पर अति हर्षोउल्लासयुक्त कार्यक्रम का आगाज हुआ। जिसमें मुख्यातिथि जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुभाष, विशिष्ट अतिथि एसएमसी अध्यक्ष जिले सिंह थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या नीतू यादव ने की। उन्होंने बताया कि वर्तमान परिपेक्ष में जिले के सभी राजकीय स्कूलों में हमारा विद्यालय उत्कृष्ट परिणामों एवं नए आयामों के साथ सतत प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में लगभग 400 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। 30 अनुभवी शिक्षकों का दल इस संस्था की सेवा में समर्पित है। वार्षिक परीक्षा परिणामों की उद्घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्था के स्तर को जानने के लिये उसका मुख्य पैमाना उसके उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम ही हुआ करते हैं। छठी में चंचल पुत्री सीताराम व उज्ज्वल पुत्र अमर सिंह ने प्रथम, इशिका पुत्री रमेश कुमार ने द्वितीय, मुस्कान पुत्री हंसराज ने तृतीय स्थान पर रहकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। सातवीं में विधिका पुत्री राजेश ने प्रथम, अमित पुत्र नवरत्न ने द्वितीय, उत्तम पुत्र विक्रम सिंह ने तृतीय स्थान पर रहकर इनाम जीता। आठवीं में आरुषि पुत्री यादराम, हेमंत पुत्र सीताराम, दीपेश पुत्र सूरज ने प्रथम, खुशी पुत्री राजकुमार ने द्वितीय, महक पुत्री रोहताश ने तृतीय स्थान पर रहकर पुरस्कार जीते। मुख्यातिथि सुभाष ने कहा कि शिक्षा के साथ साथ सहशैक्षणिक क्षेत्र जैसे सांस्कृतिक, खेलकूद एवं कला के क्षेत्र में भी इस विद्यालय के विद्यार्थियों ने जिला, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से अमिट छाप बनाए हुए हैं। ज्ञान की पताका फहराने में भी अव्वल रहने के साथ साथ विद्यालय के विद्यार्थी खेलकूद के क्षेत्र में भी परचम लहराने में पीछे नहीं रहते हैं। ये सभी शानदार प्रदर्शन विद्यालय के लिए मील का पत्थर साबित हुए हैं।

नारनौल। विद्यार्थियों को सम्मानित करता स्कूल स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

धूमधाम से मनाया गया हिंदू नव वर्ष

मंडी अटेली। पतंजलि कार्यालय में हिंदू नव वर्ष का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्य समाज के प्रधान हरदयाल आर्य ने की, जिसमें क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। शिक्षाविद् एवं पूर्व सरपंच हरदूल सिंह, रामौतार पुरुषार्थ, नरेंद्र आचार्य, जितेंद्र आर्य, राजेंद्र उनिंदा, राजपुरा आर्य समाज के प्रधान देशराज, बाबूलाल मुंडिया खेड़ा, धर्मवीर आर्य और होशियार सिंह उनींदा आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत वेद मंत्रों के उच्चारण और यज्ञ के आयोजन से हुई। उपस्थित विद्वानों ने हिंदू नव वर्ष के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह विक्रम संवत के प्रारंभ का प्रतीक है। जो भारतीय संस्कृति और परंपराओं से गहराई से जुड़ा हुआ है।

ग्राम पंचायत नांगल
(खण्ड अटेली नांगल)
जिला महेन्द्रगढ़ (हरियाणा)-123021

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत नांगल रिहायशी क्वार्टर को दो वर्ष के लिए पट्टे पर छोड़ना चाहती है। इसकी खुली बोली (नीलामी) दिनांक 05.04.2025 को प्रातः 11:00 बजे गांव की धर्मशाला नजदीक शिव मंदिर गांव नांगल में लगाई जाएगी। बोली की शर्तें मौके पर सुना दी जाएगी। इच्छुक व्यक्ति खुली बोली में शामिल हो सकते है।

हस्ता/-सरपंच
ग्राम पंचायत नांगल

खबर संक्षेप

नारनौल। शोक व्यक्त करने पहुंचे लोग।

हेड मास्टर रामसिंह को दी श्रद्धांजलि

नारनौल। गांव कांवी में डा. विरेन्द्र सिंह पशु चिकित्सक के पिता की आत्मा की शांति के लिए शोक सभा में वीएलडीए वैल्फेयर एसोसिएशन के महासचिव विक्रम सिंह, पूर्व प्रधान नरेश यादव, जगदीश रिटायर्ड बीएलईओ, बलकेत सिंह वीएलडीए, अशोक कुमार, शक्ति सिंह, संजीव नाहरिया, विनोद कुमार, विकास यादव, कृष्ण कुमार, दीपक यादव, विजय कुमार आदि ने पहुंच श्रद्धासुमन अर्पित किए। मास्टर रामसिंह 81 वर्ष के थे। एसोसिएशन के महासचिव विक्रम सिंह ने बताया कि उनके निधन पर क्षेत्र को भारी क्षति हुई है।

अध्यापकों ने चलाया दाखिला अभियान

नारनौल। राजकीय उच्च विद्यालय बलाहा के स्टाफ ने विद्यालय में अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन करवाने के लिए मुख्याध्यापिका पूनम यादव के नेतृत्व में अभियान चलाया। विद्यालय स्टाफ ने बलाहा खुर्द व बलाहा कलां गांव में घर घर जाकर सरकारी स्कूल में बच्चों को पढ़ाने के लिए प्रेरित किया तथा सरकारी स्कूल में मिलने वाली सुविधाओं से अवगत करवाया। ग्रामीणों को सरकार व विभाग की ओर से दी जाने वाली योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। पूनम यादव ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि विद्यालय में अच्छा वातावरण व योग्य अध्यापकों द्वारा शिक्षण कार्य करवाया जाता है। इस मौके पर एसएमसी प्रधान, सतपाल पीटीआई, प्रमिला कुमारी, मंजू देवी आदि ने सहयोग किया।

लिटिल चैंमप्स प्ले स्कूल का परीक्षा परिणाम घोषित

नारनौल। लिटिल चैंमप्स प्ले स्कूल मिश्रवाड़ा का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित हुआ, जो की काफी सराहनीय रहा। संस्था की मुख्य अध्यापिका आशा मान ने बताया कि सभी कक्षाओं व बच्चों का परीक्षा परिणाम काफी सराहनीय रहा है। परीक्षा में अच्छे नंबर लेने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय रहने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में अग्रिम सत्र की भी शुभकामनाएं देते हुए बताया कि आगे चलकर हम कंप्टीशन की भावना में रहकर दिन रात मेहनत करें और आगे भी अच्छे अंक प्राप्त करें। संस्था के चेयरमैन डा. संजय मान ने सभी अभिभावकों का स्कूल प्रांगण में पहुंचने पर स्वागत किया।

नांगल चौधरी की बेटी हिमांशी को टेरो कार्ड रीडर व अध्यात्मकता का मिला पद्म श्री सम्मान

- मेधावी छात्रा ने पीएचडी में हासिल किया था ब्रांज मेडल
- केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कमेटी की उपस्थिति में वितरित किए पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। मेधावी छात्रा हिमांशी चौधरी को पद्म श्री पुरस्कार भेंट करते कमेटी के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

नांगल चौधरी की बेटी हिमांशी चौधरी पुत्री लक्ष्मण जागीरदार ने टेरो कार्ड रीडर एवं अध्यात्मकता में पद्म श्री पुरस्कार हासिल किया है। मेधावी छात्रा को केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पुरस्कार वितरित करने के बाद उन्हें प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया है। इस दौरान हिमांशी चौधरी ने टेरो कार्ड रीडर प्रणाली को भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग बताया। जिससे भविष्य में घटित होने वाली घटनाओं के संकेतों की जानकारी लेना संभव होता है।

उन्होंने बताया कि टैरो कार्ड की उत्पत्ति टैरोची शब्द से हुई थी, जो मेजर आर्काना के कार्डों से संबंधित है। एक टैरो डेक में 78 कार्ड होते हैं, जिन्हें दो भागों में विभाजित किया जाता है। मेजर आर्काना कार्ड विभिन्न घटनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। जिनमें भाग्य, अंत और परिवर्तन शामिल होते हैं। माइनर आर्काना में जीवन पहलुओं का प्रतिनिधित्व करेगा। जिनमें प्रेम, करियर धन से जुड़ी घटनाएं हेती है। इस कार्ड के रीडिंग से आत्म विश्वास मजबूत होने के साथ आशावादी बनने का संदेश मिलता है।

हिमांशी चौधरी का रूझान शुरू से ज्यातिषी कार्यों से अटेच रहा है। उन्होंने कॉमर्स संकाय से मास्टर डिग्री हासिल करने के बाद जयपुर युनिवर्सिटी से पीएचडी उपाधि प्राप्त की। परिणाम सूची में टॉपर स्थान हासिल करने पर यूनिवर्सिटी ने छात्रा को ब्रांच मेडल से सम्मानित किया। इसके बाद उन्होंने टैरो कार्ड रीडिंग व अध्यात्मकता के क्षेत्र में लगाव बढ़ाया तथा गहनता से पढ़ाई पूरी की।

कहा कि कार्ड रीडिंग करने के साथ शारीरिक गतिविधियों का मुवमेंट संबंधित घटना के अनुरूप होना चाहिए। केंद्रीय मानव संसाधन मंत्रालय के निर्देशानुसार दिल्ली में सम्मान समारोह आयोजित किया। जिसमें केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, सांसद प्रवीण खंडेलवाल, पूर्व राज्यपाल जगदीश मुखी, हरियाणा के मंत्री अरविंद शर्मा, दिल्ली के विधायक चंदन कुमार चौधरी, विजय जोली, किरण सेठी मौजूद रही।

अध्यात्मिक अध्यन से जीवन शैली में आएगा निखार

मेधावी छात्रा हिमांशी चौधरी ने बताया कि मेरे स्व. दादा जगराम जागीरदार अध्यात्मिक विचारधारा से जुड़े थे। उनकी प्रेरणा से टैरो कार्ड रीडिंग में रूझान बढ़ा और सफलता मिलना संभव हुआ है। उन्होंने बताया कि टैरो कार्ड रीडिंग से अपना ही आंकलन करना संभव होता है। साथ ही समाज को सही दिशा देने का संबल प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि पद्म श्री पुरस्कार मिलने से अन्य बेटियों को भी भारतीय संस्कृति को उज्ज्वल करने का संदेश मिलेगा।

शहर का बढ़ाया गौरव

नपा पार्षद कंवर सिंह जाखड़, विकास मुदगिल ने बताया कि हिमांशी चौधरी ने टैरो कार्ड रीडर एवं अध्यात्मिकता में पद्म श्री पुरस्कार हासिल करके शहर व प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने साबित कर दिया कि बेटिया किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं। मेधावी बेटी के शहर आने पर अभिनंदन समारोह का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि टैरा कार्ड रीडिंग की कला से समाज में जागरूकता व वैचारिक एकता का समावेश संभव हो पाएगा।

सती माता के मंदिर में आईआईटी को लेकर हुई बैठक

आईआईटी के लिए पाली व खुडाना तीन सौ एकड़ जमीन देने को तैयार

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। गांव पाली के सती मंदिर में बैठक करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

क्षेत्र के गांव पाली के सती माता के मंदिर में रविवार को गांव खुडाना और पाली की पंचायतों व क्षेत्र के लोगों की आईआईटी को लेकर बैठक हुई। बैठक में सभी पहलुओं पर विचार-विमर्श हुआ। वक्ताओं ने कहा कि आईआईटी जैसा बड़ा संस्थान खुलने से पूरे जिलेभर को फायदा होगा। दोनों गांव तीन सौ एकड़ जमीन देने के लिए तैयार हैं। दोनों गांवों के लोगों ने एकमत होकर एक ही बात रखी कि सरकार आईआईटी बनाने के लिए जितनी जमीन लेना चाहे ले। दोनों गांव जमीन देने के लिए तैयार हैं। सभी का मत था कि आईआईटी बनवाने के लिए अगर एक बड़ा अभियान चलाए जाने की आवश्यता हुई तो वह भी करेंगे। इसके लिए जल्द ही एक कमेटी बनाकर अभियान को गति देने का निर्णय लिया गया। इसके लिए एक कमेटी को भी गठन किया गया है।

गांव पाली व खुडाना के सरपंच देशराज व सरपंच नरेश ने कहा कि उनके गांवों की ओर से बिना किसी शर्त के भूमि उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे आईआईटी की स्थापना का रास्ता साफ हो सके। उन्होंने इसे क्षेत्र के लिए एक स्वर्णिम अवसर बताया, जिससे न केवल शिक्षा का स्तर ऊंचा उठेगा, बल्कि रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

इस दौरान पंचायत में उपस्थित लोगों ने महेंद्रगढ़ की शिक्षा व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि इस क्षेत्र ने हमेशा शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए है। यदि यहां आईआईटी स्थापित होती है तो यह पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात होगी और स्थानीय युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए बेहतर अवसर मिलेंगे।

जमीन उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भेजा

बता दें कि केंद्र सरकार की तरफ से हरियाणा प्रदेश में आईआईटी स्थापित की जाएगी। सरकार की तरफ से प्रदेश के हर डीसी से जमीन उपलब्ध करवाने को लेकर रिपोर्ट भेजने के आदेश दिए हुए हैं, जिसके चलते महेंद्रगढ़ जिले के गांव खुडाना व पाली की पंचायत ने जमीन उपलब्ध होने की बात कहीं गई है, जिसके बाद क्षेत्र के गांव पाली और खुडाना गांव की पंचायतों ने संस्थान के लिए निःशुल्क और बिना शर्त जमीन उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भेज दिया है। दोनों गांव की पंचायत ने निःशुल्क जमीन देने की बात कही।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर नगर पालिका चेयरमैन रमेश सैनी, नगर परिषद नारनौल के पूर्व वाइस चेयरमैन कैलाश सोनी पहलवान, सर्व समाज मंच अध्यक्ष और सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम गोमला, यादव महासभा प्रधान अभयराम एडवोकेट, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व निदेशक डॉ. एचडी यादव, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र सिंह यादव, पंचायत समिति महेंद्रगढ़ के पूर्व चेयरमैन सूरत सिंह, पंचायत समिति महेंद्रगढ़ के पूर्व चेयरमैन मंगल सिंह, समाजसेवी रामनिवास पाटोदा, अजय सिगाडिया, समाजसेवी बलवान सिंह फौजी, पाली गाव के सरपंच देशराज, खुडाना के सरपंच नरेश कुमार, विनोद पाली, सत्यवीर मानपुरा, यादराम गोमला, सुरेंद्र गाहडा, अनिल कुमार, वीरेंद्र सरपंच सहित कई वर्तमान व पूर्व सरपंच मौजूद थे।

महेंद्रगढ़। विधायक कंवर सिंह से मिलते शमशेर सिंह। फोटो : हरिभूमि

शमशेर ने विवि चुनाव में तीसरा चुनाव जीतकर बनाई हैट्रिक

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी में संपन्न हुए एग्जीक्यूटिव काउंसिल के चुनाव में प्रो. शमशेर सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी डॉक्टर गजेंद्र यादव को भारी मतों से पराजित करके जीत हासिल की। शमशेर सिंह वर्तमान में राजकीय कॉलेज में इतिहास विभाग में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। यह प्रोफेसर शमशेर सिंह का लगातार तीसरा चुनाव था, जिसमें उन्होंने जीत दर्ज की पहले उन्होंने कोर्ट का चुनाव जीता। फिर अकादमी काउंसिल का चुनाव जीता और अब एग्जीक्यूटिव काउंसिल का चुनाव जीता। शमशेर सिंह ने अपनी जीत का श्रेय विश्वविद्यालय व कॉलेज के सभी टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ को दिया। साथ ही उन्होंने माना कि इलाके के वर्तमान विधायक कवर सिंह व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह का आर्शीवाद सदैव उनके साथ रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय के टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ को आश्वासन दिया कि भविष्य में आपके हितों की लड़ाई के लिए वह आपके साथ खड़े रहेंगे। उनके पैतृक गांव रसूलपुर वर्तमान में निवास स्थान शिक्षा नगर कॉलोनी (यदुवंशी स्कूल के सामने) पर बधाई देने वालों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। बधाई देने वालों में शिक्षा नगर प्रधान मास्टर भारत भूषण, उप प्रधान बबरुभान, सचिन इंद्रजीत, महासचिव विनोद सेठ, कानूनी सलाहकार सतीश आदि मौजूद थे।

बाबूलाल यादव दूसरी बार बने प्रधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। नवनियुक्त प्रधान का माला पहनाकर स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

रिटायर्ड कर्मचारी संगठन हरियाणा का तृतीय त्रिःवार्षिक प्रांतीय प्रतिनिधि सम्मेलन यादव धर्मशाला में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य प्रधान बाबूलाल यादव ने की व मंच संचालन कार्यकारी प्रधान पहल सिंह तंवर ने किया। अधिवेशन की शुरूआत अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी परिषद चेयरमैन एमएल सहगल ने संगठन का झंडा फहराने की रस्म अदा कर की। कार्यक्रम के मुख्यातिथि के रूप में एटक के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विद्या सागर येचुरी ने की। अपने अध्यक्षीय भाषण में उन्होंने अटारी कर्मचारियों को आने वाले खतरों से अवगत करते हुए बताया कि आने वाला समय रिटायरियों के लिए बहुत ही कठिन समय है, जिसके लिए हमें इकट्ठा होकर लड़ना होगा। उन्होंने बताया कि सरकार ने अभी-अभी जो फाइनेंस बिल के साथ जो रिटायर्ड कर्मचारियों की पेंशन फ्रीज करने की जो साजिश रचने की कोशिश की है, उसके खिलाफ हमें जोरदार आंदोलन करने की जरूरत है। राज्य प्रधान बाबूलाल यादव ने अपनी कार्यकारिणी का इस्तीफा चुनाव समिति को सौंपा। चुनाव कमेटी के अध्यक्ष पहल सिंह तंवर ने संविधान अनुसार सर्व समिति ने राज्य कार्यकारिणी का चुनाव करवाया। चुनाव में बाबूलाल यादव को दोबारा रिटायर्ड कर्मचारी संगठन हरियाणा का प्रधान, पहल सिंह तंवर को प्रधान महासचिव, रणवीर शर्मा को महासचिव, प्रेम सिंह भेडथली को वरिष्ठ उप प्रधान, अजीत फोगाट, जवाहर सिंह रावत, बलजीत डांगी, जय सिंह धनखड़, वीरभान ढुल को उपप्रधान, कुलभूषण शर्मा को मुख्य प्रवक्ता, राजपाल गूंसर को उपमहासचिव बनाया गया।

पॉलिसी में रियायत देकर नांगल माला से धोली सड़क निर्माण के लिए सांसद ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

- कहा, पैसा मंजूर हुए छह साल से भी अधिक हो गए फिर भी जनता को नहीं मिल पा रहा लाभ

नांगल माला से धोली सड़क निर्माण के लिए पॉलिसी में रियायत देने के लिए सांसद ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि नांगल माला से धोली सड़क के निर्माण के लिए वर्ष 2018 में बजट मंजूर किया गया था। परंतु छह वर्ष से भी अधिक का समय बीत जाने के बाद भी इस सड़क का निर्माण नहीं हो पाया है। ये रास्ता लगभग 5.22 किलोमीटर लंबा है। नांगल माला की तरफ से लगभग 3.60 किलोमीटर तक तो रास्ता छह करम है परंतु उससे आगे लगभग 1.6 किलोमीटर का हिस्सा चार करम ही चौड़ा है। इस 1.6 किलोमीटर के हिस्से को पूरा पांच करम करने के लिए इस रास्ते के साथ लगते किसानों की जमीन खरीदने के लिए भी सरकार ने लगभग 67 लाख रुपये मंजूर किए थे। इसके लिए 36 रजिस्ट्री होनी थी। जिसमें से 10 रजिस्ट्री तो हो चुकी हैं, परंतु बाकि की जो रजिस्ट्री बची हैं, उनका होना बहुत मुश्किल हो रहा है। कुछ मामलों में तो हिस्सेदारों की संख्या 50 से भी अधिक है तथा कुछ मामले ऐसे भी हैं जिसमें जमीन के मालिक नाबालिग हैं। कुछ जमीनें ऐसी भी हैं जिनपर लोन लिया हुआ है तथा एक-दो मामले कोर्ट में भी चल रहे है। सांसद धर्मबीर सिंह ने मुख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र मे ना सिर्फ इन बातों का हवाला भी दिया है साथ ही ये भी निवेदन किया है कि 1.6 किलोमीटर के इस चार करम के हिस्से को पॉलिसी में रियायत देकर पक्का करवाया जाए। ये भी हो सकता है कि इस 1.6 किलोमीटर के इस हिस्से को 12 फुट चौड़ाई के साथ ही पक्का करवा दिया जाए।

नारनौल। ट्रेनिंग में भाग लेते अध्यापक। फोटो : हरिभूमि

मॉडल स्कूल प्रबंधन समिति का ट्रेनिंग कैम्प आयोजित

नारनौल। राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्राचार्य प्रमिला यादव की अध्यक्षता में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें क्लस्टर के सभी विद्यालयों के एमसी सदस्यों ने भाग लिया। शिक्षा विभाग की ओर से एबीआरसी निशा पांडे ने प्रबंधन समिति के सदस्यों को एसएमसी की संरचना, उसके गठन, अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्राचार्य प्रोमिला यादव ने कहा कि एसएमसी एक महत्वपूर्ण समिति है। विद्यालय के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विद्यालय में अध्यापक अभिभावकों के मध्य एक कड़ी का काम करती है। इस अवसर मॉडल संस्कृति स्कूल के एसएमसी प्रधान हेमंत चौबे ने बताया कि एसएमसी विद्यालय नामांकन से लेकर, शिक्षा, संस्कार, सेवा, सहयोग, पर्यावरण संरक्षण आदि में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है।

आईआईटी के लिए सीएम से करेंगे मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

- केंद्रीय विश्वविद्यालय की तरफ से 350 एकड भूमि की पेशकश से महेंद्रगढ़ में ही आईआईटी बनने की संभावनाओं को बल मिला
- जल्द ही इसके लिए क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से इस सबंध में एक बैठक की जाएगी

आईआईटी के लिए महेंद्रगढ़ के गांव पाली में उपयुक्त जगह है। केंद्रीय विश्वविद्यालय की तरफ से 350 एकड भूमि की पेशकश से महेंद्रगढ़ में ही आईआईटी बनने की संभावनाओं को बल मिला है। इसके लिए इसी सप्ताह जनप्रतिनिधियों के साथ सीएम से मुलाकात करके पाली में ही इसको बनवाने की मांग की जाएगी। यह दावा रविवार पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की तरफ से प्रदेश में प्रस्तावित आईआईटी के लिए महेंद्रगढ़ ही उपयुक्त स्थान है। किसी भी बडे शिक्षण संस्थान के लिए तीन महत्वपूर्ण डिमांड रहती है। पर्याप्त जमीन, पानी की उपलब्धता व उसकी कनेक्टिविटी। महेंद्रगढ़ के गांव पाली ये तीनों की मापदंड पूरे करती है। क्षेत्र शिक्षा का हब है। पाली में केविवि चल रहा है। अनेक शिक्षण संस्थान यहां है। 148बी से कनेक्टिविटी है। साथ ही केंविवि ने ही अपने परिसर में 350 एकड भूमि की पेशकश ने एक अतिरिक्त विकल्प का खोल दिया है। जल्द ही इसके लिए क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से इस सबंध में एक बैठक की जाएगी। जनप्रतिनिधियों के शिष्ट मंडल के साथ इसी सप्ताह पाली में आईआईटी की स्थापना के लिए सीएम से मुलाकात की जाएगी। इस दौरान उन्हें महेंद्रगढ़ में इसकी स्थापना की मांग की जाएगी। साथ ही यहां की स्थित से भी अवगत करवाया जाएगा।

जयपुर में वीर तेजाजी की प्रतिमा खंडित करने पर जताया आक्रोश

नांगल चौधरी। अखिल भारतीय हिंदू महासभा के प्रदेशाध्यक्ष सतीश रावत की अध्यक्षता में 36 बिरादरी के प्रबुद्धजनों की बैठक हुई। जिसमें जयपुर में वीर तेजाजी की प्रतिमा को तोड़ने पर रोष प्रकट किया तथा सरकार से आरोपतों को जल्द गिरफ्तार करने की गुहार लगाई। कहा कि हिंदूओं की आस्था के साथ छेड़छाड़ को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने कहा कि वीर तेजाजी की जीवनी से युवाओं को समाज भक्त होने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने तपोबल से समाज को सकारात्मक दिशा देने का काम किया है। बीते दिनों जयपुर के शरारती तत्वों ने तेजाजी महाराज को प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया। जिससे प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन अभी तक दोषियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी नहीं मिली है। इसके बाद उन्होंने स्थानीय प्रशासन से नवरात्रों में मांस बिक्री के खोखों को बंद कराने की गुहार लगाई। कहा कि भारतीय संस्कृति में नवरात्रों को धार्मिक उत्सव का दर्जा मिला हुआ है। प्रत्येक घरों में पूजा अर्चना करने की परंपरा बनी हुई है, लेकिन दूसरी तरफ शहरों के साथ सटे खाखों में जीव हत्या करके मांस बिक्री करने की शिकायतें मिल रही हैं। उन्होंने उपायुक्त से सभी मांस बिक्री के अड्डों को बंद कराने की गुहार लगाई है।

हल्का सैन समाज प्रधान के बड़े भाई का निधन

महेंद्रगढ़। हल्का सैन समाज शहर व परगना प्रधान सुंदरलाल आसोदिया के बड़े भाई राधेश्याम आसोदिया का रविवार को निधन हो गया है। वे धार्मिक विचारों के व्यक्ति होने के साथ-साथ समाज की सेवा बढ़चढ़ भाग लेते थे। उनकी गोमाता में गहरी आस्था होने के कारण नित प्र ति दि न गौशाला जाया करते थे। उनके बड़े बेटे बजरंग लाल आसोदिया ने मुखाग्नि दी। उनकी शव यात्रा में पूरा परिवार व शहर के गणमान्य व्यक्ति समाज उपस्थित रहे।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खोड़ में समारोह का आयोजन

एसएस मास्टर सतपाल सलीमपुर को दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

मंडी अटेली। मास्टर सतपाल को पगड़ी पहनाते सरपंच प्रतिनिधि मूल सिंह।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खोड़ में एसएस मास्टर सतपाल सलीमपुर की सेवानिवृत्ति पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विद्यालय के स्टाफ, ग्रामीणों एवं क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने सतपाल सलीमपुर को सम्मानपूर्वक विदाई दी। उन्होंने अपने 28 वर्ष के सेवाकाल में शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने अपनी पूरी नौकरी को ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ निभाया, जिसके चलते वे क्षेत्र के विद्यार्थियों और अभिभावकों के बीच लोकप्रिय रहे। उनके मार्गदर्शन में अनेक विद्यार्थियों ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। सेवानिवृत्ति समारोह में विद्यालय के प्राचार्य राकेश कुमार ने सतपाल सलीमपुर के समर्पण और मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने विद्यालय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हैड टीचर अनूप यादव ने भी सतपाल सलीमपुर के शिक्षा क्षेत्र में दिए गए योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी कमी को पूरा करना कठिन होगा। समारोह में खोड़ के सरपंच प्रतिनिधि मूलसिंह और सलीमपुर के सरपंच प्रतिनिधि मास्टर जसवंत सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने उनके व्यक्तित्व को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि उनका समर्पण समाज के अन्य शिक्षकों के लिए अनुकरणीय है। समारोह का संचालक राकेश मास्टर धनौंदा ने किया। इस मौके पर जेपी यादव, राजेंद्र पंच, कृष्ण कुमार, रविंद्र कुमार, मुकेश रानी, मनोज, मुनेश, मैनपाल, कबूल सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सतपाल ने अपने संबोधन में विद्यालय परिवार और ग्रामीणों के सहयोग के लिए आभार प्रकट किया और कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में वे सदैव विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए तत्पर रहेंगे। समारोह के अंत में उन्हें स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005